Es heisst, dass zur Zeit des Untergangs das Meer die Schranken durchbrechen wird, nimmer werden jedoch die Trefflichen die hergebrachte Sitte übertreten.

c. Im Text steht ನಸ'ಸಣಸ'ಸಿ'ಸ...

SCHIEFNER.

4590.

हः चः हिंदा कुष्या द्वा क्षा क्षेत्र । । यद्या प्रमा द्वेश या देश या स्युद्धः । । यद्या प्रमा द्वेश या स्युद्धः । । यद्या प्रमा द्वेश या स्युद्धः ।

«Ich gehe» dieses Wort ist aus deinem Munde hervorgegangen, o Geliebte, was hätte ich nun davon, wenn du, der du mich wenig liebst, auch nicht gekommen wärest?

4609.

नानुष्यः मः नेत्रः स्तरः स्त्रः स्तरः । । यमः यः स्त्राः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्तरः स्त्रः स्तरः स्त्रः स्तरः स

SCH.

4622. SASKJA PANDITA V, Cl. 6:

मेर्स्, भ्रथः कुरा कुरा तथ्येश । । मार्श्वेश तिरायपुर विष्या मुस्सा । । मार्श्वेश तिरायपुर विष्या मेर्स्सा । । मार्श्वेश तिरायपुर विष्या मेर्स्सा ।

Wenn man Klugheit hat, kann man offenbar durch Lügen Andere täuschen; die von den Dieben Hund genannte Ziege warf der sie tragende Brahmane fort.

4632. d. ध्वं यात्यचिराद्वशम् Comm. zu Kam. Niris.

4665. c. d. वीरेरा ४वि भीरूपुरुषिः संग्रामे हि प्रमुच्यते (इति संगतिलब्धः पाठः) Comm. zu KAM. Niris.

4667. d. पा ह पण: Comm. zu Kam. Niris.

4687.

में . यर . द्वेच . य . येट . जवीर . य । जिर्ट्ट . जैब . मंभा की क्रीच . जर्र । विर्ट्ट . जैब . मंभा की क्रीच . जर्र । विर्ट्ट . जविर मंभा की क्रीच . जर्र । विर्ट्ट . जविर मंभा के जिल्ला । विर्ट्ट . जविर मंभा के जविर

4688.

रद्येर जे.का. वेषु स्थाप्त विस्था पुर्य । । त्रिर्य स्थाप्त विस्था साम्य ।

SCH.